'21वीं सदी के लिए बहुविषयक शिक्षा की आवश्यकता: नई शिक्षा नीति के संदर्भ में'

एक दिवसीय

राष्ट्रीय वेबिनार

17 JAN 2021 (2:00 TO 5:00 PM)

Organized by :

S.D.M. Government P.G. College, Doiwala,

District Dehradun (Uttarakhand)

Email: seminardoiwala@gmail.com

Website: sdmgovtpgcollege.in

Registration Link:

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSe7-QWMKPmr3OYH_V4jOBlkeY6lFk9A1jIDjIJcnHc0F2gf9A/viewform?usp=sf_link

- ✶ To join the live Webinar Zoom Id and password will be mailed to participant.
- ✶ E-certificate will be generated after the Webinar.

Patron in Chief

Honorable Minister of Education

Government of India

Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank ji

Patron

Prof.(Dr.) Kumkum Rautela, Director,Department of Higher Education,	Prof.(Dr.) P.P. Dhyani Vice Chancellor Sri Dev Suman Uttarakhand University	Prof.(Dr.) Vice Chancellor Uttarakhand Sanskrit University

Our Speaker

Organizing Director

Prof.(Dr.) D.C. Nainwal,

Principal

S.D.M. Government P.G. College, Doiwala

Convener	Organizing Secretary
1. Dr. Rakhi Panchola HOD, Deptt. of Political Science **2.** Assistant Professor,	**Dr. Noor Hasan** Assistant Professor, Deptt. of History

उच्चतर शिक्षा राष्ट्र के विकास और मनुष्य के कल्याण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सामाजिक स्तर पर उच्चतर शिक्षा का उद्देश्य राष्ट्र को प्रबुद्ध, सामाजिक रूप से जागरूक, जानकार और सक्षम बनाना है, जो अपने नागरिकों का उत्थान कर सके और सशक्त समाधानों से समस्याओं का निवारण कर सके। उच्चतर शिक्षा देश में ज्ञान प्राप्ति और नवाचार का आधार तैयार करते हुए राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए उच्चतर शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तिगत रोजगार के अवसरों का सृजन करना ही नहीं, बल्कि अधिक जीवंत और सामाजिक रूप से जुड़े हुए सहकारी समुदायों के साथ मिलकर एक अधिक खुशनुमा, सामंजस्यपूर्ण, सुसंस्कृत, उत्पादक, अभिनव, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करना भी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उच्च शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्त किए गए हैं। यह नीति भारत के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। यह भारतीयता का दस्तावेज है। यह आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करती है। जड़ों से जोड़कर आसमान छूने का धरातल बनाने वाली इस नीति में उच्च शिक्षा में बहुविषयकता यानी मल्टीडिसिप्लिनरी का प्रावधान किया गया है। इस नीति में ऐसी उच्चतर शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ने का प्रावधान है, जिसमें विशाल बहुविषयक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय हों। इन यूनिवर्सिटीज और कॉलेज से शिक्षा ग्रहण कर निकलने वाले युवा भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य मनुष्य की बौद्धिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, नैतिक इत्यादि सभी क्षमताओं को एकीकृत कर विकसित करना है। अर्थात् इस शिक्षा के माध्यम से छात्र का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। नई शिक्षा नीति के इस बिंदु पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के उपविषय निम्नवत् हैं-

1.रोजगार के लिए उच्च शिक्षा की उपयोगिता
2.बहुविषयक शिक्षा: अतीत के आइने में
3. बहुविषयक शिक्षा के लाभ
4. आत्मनिर्भरता के लिए बहुविषयक शिक्षा की उपयोगिता
5. बहुविषय शिक्षा व्यक्तित्व के विकास में सहायक
6. नई शिक्षा नीति और बहुविषयक शिक्षा